चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14.2.26	4	2-5

किसानों के हित में कार्य करें विज्ञानी व कृषि अधिकारी : बलदेव काम्बोज

मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला का शुभारंभ

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल आइएएस वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें।

कुलपति ने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की है।

कार्यशाला को संबोधित करते हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज • विज्ञप्ति

किसानों को दलहनी फसलों के बारे में जागरूक करें

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके।

309 किस्में फसलों की हकृवि में विकसित

योजनाओं का क्रियान्वयन

डा. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उद्यमिता के लिए प्रेरित करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है।

नए संस्करण का विमोचन

समग्र सिफारिश के नए संस्करण का भी विमोचन किया गया। इस अवसर पर डा. राजबीर गर्ग, डा. रमेश गोयल, डा. सुनील ढांडा मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14-2-26	3	2-5

एचएयू में कार्यक्रम • कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

जैविक खेती को बढ़ावा दें, मृदा स्वास्थ्य बनाए रखें : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज़ | हिसार

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज मुख्य अतिथि रहे। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल (आईएएस) वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यशाला में प्रदेशभर से कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों और विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को आपसी तालमेल के साथ नवीन तकनीकों, उन्नत बीज किस्मों और शोध परिणामों को तेजी से किसानों तक पहुंचाना होगा, ताकि कम लागत में अधिक उत्पादन संभव हो सके। उन्होंने प्राकृतिक व जैविक खेती को बढ़ावा देने, मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने और रासायनिक उर्वरकों के सीमित उपयोग पर बल दिया। उन्होंने बताया कि विवि ने अब तक विभिन्न फसलों की 309 उन्नत किस्में विकसित की हैं।

उन्नत किस्मों से खाद्यान्न उत्पादन में सात गुना वृद्धि : अग्रवाल

प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने दलहनी और तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि योजनाबद्ध लक्ष्य निर्धारण से किसानों की आय बढ़ाई जा सकती है। राज्य गठन के बाद उन्नत किस्मों और योजनाओं के कारण खाद्यान्न उत्पादन में सात गुना वृद्धि हुई है। कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के नए संस्करण का विमोचन किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने स्वागत भाषण दिया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने शोध उपलब्धियां साझा कीं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	14.2.26	3	1-6

वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी एवं नीति निर्धारक योजनाबद्ध तरीके से किसानों के हित में करें कार्य : प्रो. काम्बोज

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

हिसार, 13 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें।

उन्होंने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को जागरूक करने पर बल दिया ताकि सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करके मृदा स्वास्थ्य को बरकरार रख कर जहर मुक्त खेती को आगे बढ़ाया जा सके।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज कार्यशाला को संबोधित करते हुए व कार्यशाला में उपस्थित अधिकारी एवं वैज्ञानिक।

कुलपति ने बताया कि अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की जरूरतों के अनुरूप कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी उन्नत किस्में और तकनीक विकसित की जा रही हैं जो कम संसाधनों में अधिक उत्पादन दे सकें। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा जोखिम कम करने के लिए कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों को योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। विश्वविद्यालय विशेषतौर पर बदलती जलवायु के अनुकूल तथा कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को किसानों तक पहुंचा रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की हैं।

दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाए जागरूक: पंकज अग्रवाल

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गठन के पश्चात हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं कृषि विभाग द्वारा बनाई गई योजनाओं के कारण तथा किसानों की मेहनत से अन्न उत्पादन में सात गुणा बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी लक्ष्य निर्धारित करके तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्य करेंगे तो खाद्यान्न उत्पादन एवं किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का कम प्रयोग करने के लिए किसानों को प्रेरित करने की भी हिदायत दी।

कृषि विभाग की योजनाओं के बारे में बताया

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उद्यमिता हेतु प्रेरित करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय को अनुसंधान उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14.2.26	2	1-5

कृषि

एचएयू ने विकसित की गेहूं नई किस्म, मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला शुरू

डब्ल्यूएच-1402 किस्म से प्रति एकड़ बचेगा 8 लाख लीटर पानी

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित की गई गेहूं की नई किस्म डब्ल्यूएच-1402 को केवल दो सिंचाई में ही तैयार किया जा सकता है। इससे किसान प्रति एकड़ लगभग 8 लाख लीटर पानी बचा सकते हैं। फरवरी-मार्च में बढ़ते तापमान को सहन करने वाली पछेती किस्म डब्ल्यूएच-1309 भी विकसित की गई है जो बदलते मौसम के अनुकूल बेहतर पैदावार दे सकती है।

कांबोज शुक्रवार को मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 80 प्रतिशत किसानों के पास एक हेक्टेयर से कम भूमि है। इसलिए कम संसाधनों में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को अपनाना जरूरी है।

विश्वविद्यालय अब तक विविध फसलों की 309 किस्में विकसित कर चुका है और जलवायु परिवर्तन, घटते जलस्तर, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखकर शोध कर रहा है कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि दलहनी और तिलहनी फसलों को बढ़ावा देना जरूरी है। हरियाणा ठन के बाद किसानों की मेहनत से खाद्यान्न की पैदावार सात गुना बढ़ी है। उन्होंने प्राकृतिक व जैविक खेती को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया।

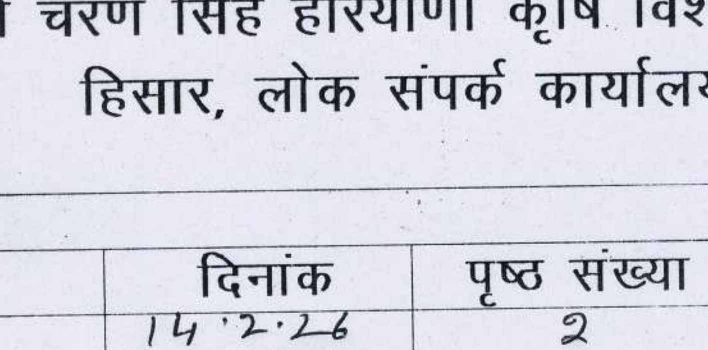

एचएयू में दो दिवसीय कृषि अधिकारी कार्यशाला में रबी फसलों की पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति प्रो. बलदेव राज कांबोज, डॉ.आरपी सिहाग व अन्य। स्रोत : संस्थान

सरकार को 700 करोड़ रुपये की होगी बचत

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि मेरी फसल मेरा ब्योरा पोर्टल से डीएपी और यूरिया को लिंक करने पर करीब 700 करोड़ रुपये की बचत हुई है। विभाग ने किसानों को एक करोड़ सॉयल हेल्थ कार्ड भी जारी किए हैं जिनके आधार पर खेती करने की सलाह दी गई है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने रबी फसलों की समग्र सिफारिशों के नए संस्करण का विमोचन किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय की शोध उपलब्धियों की जानकारी दी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	14-2-26	11	2-5

योजनाबद्ध तरीके से किसानों के हित में कार्य करें वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी व नीति निर्धारक

- कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। रबी फसलों की पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति व अन्य।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल वर्चुअल माध्यम से जुड़े।

कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं। कार्यशाला में खरीफ फसलों की सिफारिशों को लेकर कृषि अधिकारी दो दिन मंथन करेंगे। इस अवसर पर रबी फसलों की समग्र सिफारिश के नए संस्करण का भी विमोचन किया गया। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें।

उन्होंने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को जागरूक करने पर बल दिया ताकि सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करके मृदा स्वास्थ्य को बरकरार रख कर जहर मुक्त खेती को आगे बढ़ाया जा सके।

कुलपति ने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की हैं।

दलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए करें जागरूक

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गठन के पश्चात हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं कृषि विभाग द्वारा बनाई गई योजनाओं के कारण तथा किसानों की मेहनत से अन्न उत्पादन में सात गुणा बढ़ोतरी हुई है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	14-2-26	5	1-3

वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी व नीति निर्धारक योजनाबद्ध तरीके से किसानों के हित में करें कार्य : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

कृषि अधिकारियों की कार्यशाला का शुभारम्भ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

हिसार, 13 फरवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल आईएएस वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं।

रबी फसलों की पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति व अन्य।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा जोखिम कम करने के लिए कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों को योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उद्यमिता हेतु प्रेरित करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर रबी फसलों की समग्र सिफारिश के नए संस्करण का भी विमोचन किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय दिया और विस्तार से संबंधित विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ रमेश गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुड़गांव मेल	13.02.2026	--	--

वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी एवं नीति निर्धारक योजनाबद्ध तरीके से किसानों के हित में करें कार्य : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

सुरेंद्र कुमार नारंग/ गुड़गांव मेल

हिसार 13 फरवरी चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल आईएएस वर्चुअल माध्यम से जुड़ें। कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को जागरूक करने पर बल दिया ताकि सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करके मृदा स्वास्थ्य को बरकरार रख कर जहर मुक्त खेती को आगे बढ़ाया जा सके।

कुलपति ने बताया कि अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की जरूरतों के अनुरूप कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी उन्नत किस्में और तकनीक विकसित की जा रही है जो कम संसाधनों में अधिक उत्पादन दे सकें। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा जोखिम कम करने के लिए कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों को योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। विश्वविद्यालय विशेषतौर पर बदलती जलवायु के अनुकूल तथा कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को किसानों तक पहुंचा रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की है।

दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाए जागरूक: पंकज अग्रवाल

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गठन के पश्चात हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं कृषि विभाग द्वारा बनाई गई योजनाओं के कारण तथा किसानों की मेहनत से अन्न उत्पादन में सात गुणा बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी लक्ष्य निर्धारित करके तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्य करेंगे तो खाद्यान्न उत्पादन एवं किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	13.02.2026	--	--

प्राकृतिक और जैविक खेती करें किसान : प्रो. काम्बोज

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला (खरीफ) का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल आईएएस वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं।

रबी फसलों की पुस्तिका का विमोचन करते कुलपति व अन्य

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को जागरूक करने पर बल दिया ताकि सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करके मृदा स्वास्थ्य को बरकरार रख कर जहर मुक्त खेती को आगे बढ़ाया जा सके।

कुलपति ने बताया कि अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की जरूरतों के अनुरूप कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी उन्नत किस्में और तकनीक विकसित की जा रही है जो कम संसाधनों में अधिक उत्पादन दे सकें।

हकृवि ने अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की हैं

हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा जोखिम कम करने के लिए कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों को योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। विश्वविद्यालय विशेषतौर पर बदलती जलवायु के अनुकूल तथा कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को किसानों तक पहुंचा रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की है।

दलहनी एवं तिलहनी फसलों के प्रति किसानों को करें जागरूक

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गठन के पश्चात हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं कृषि विभाग द्वारा बनाई गई योजनाओं के कारण तथा किसानों की मेहनत से अन्न उत्पादन में सात गुणा बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी लक्ष्य निर्धारित करके तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्य करेंगे तो खाद्यान्न उत्पादन एवं किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का कम प्रयोग करने के लिए किसानों को प्रेरित करने की भी हिदायत दी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय दिया और विस्तार से संबंधित विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण	13.02.2026	--	--

वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी एवं नीति निर्धारक योजनाबद्ध तरीके से किसानों के हित में करें कार्य : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

» कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला (खरीफ) का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

दक्ष दर्पण

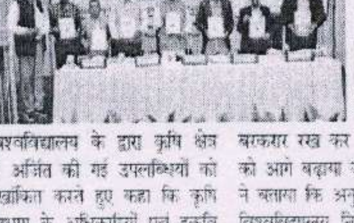

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल आईएएस वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को जागरूक करने पर बल दिया ताकि सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करके मृदा स्वास्थ्य को बरकरार रख कर जहर मुक्त खेती को आगे बढ़ाया जा सके। कुलपति ने बताया कि अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की जरूरतों के अनुरूप कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी उन्नत किस्में और तकनीक विकसित की जा रही हैं जो कम संसाधनों में अधिक उत्पादन दे सकें। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा जोखिम कम करने के लिए कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों को योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। विश्वविद्यालय विशेषतौर पर बदलती जलवायु के अनुकूल तथा कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को किसानों तक पहुंचा रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की है।

दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाए जागरूक: पंकज अग्रवाल - कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गठन के पश्चात हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं कृषि विभाग द्वारा बनाई गई योजनाओं के कारण तथा किसानों की मेहनत से अन्न उत्पादन में सात गुणा बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी लक्ष्य निर्धारित करके तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्य करेंगे तो खाद्यान्न उत्पादन एवं किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का कम प्रयोग करने के लिए किसानों को प्रेरित करने की भी हिदायत दी। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. रामप्रताप सिहाग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उद्यमिता हेतु प्रेरित करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। इस अवसर पर रबी फसलों की समग्र सिफारिश के नए संस्करण का भी विमोचन किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय दिया और विस्तार से संबंधित विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. रमेश गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	13.02.2026	--	--

कृषि अधिकारियों की दो दिवसीय कार्यशाला खरीफ का शुभारंभ

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) 2026 का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल आईएएस वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं। कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। कुलपति ने बताया कि अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की जरूरतों के अनुरूप कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी उन्नत किस्में और तकनीक विकसित की जा रही हैं जो कम संसाधनों में अधिक उत्पादन दे सकें। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा जोखिम कम करने के लिए कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों को योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। विश्वविद्यालय विशेषतौर पर बदलती जलवायु के अनुकूल तथा कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को किसानों तक पहुंचा रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की है।

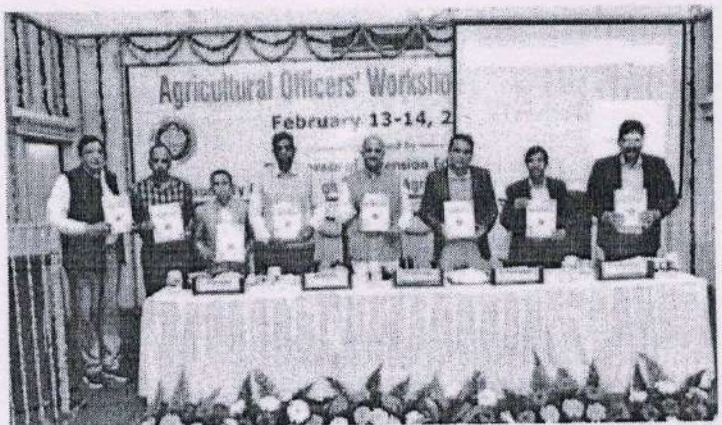

दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाए जागरूक : पंकज अग्रवाल

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गठन के पश्चात हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं कृषि विभाग द्वारा बनाई गई योजनाओं के कारण तथा किसानों की मेहनत से अन्न उत्पादन में सात गुणा बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी लक्ष्य निर्धारित करके तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्य करेंगे तो खाद्यान्न उत्पादन एवं किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का कम प्रयोग करने के लिए किसानों को प्रेरित करने की भी हिदायत दी।

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक अभिनव शर्मा ने अपने स्वामित्व में ... RNI : HARHIN/2014/61

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्यजय टाइम्स	13.02.2026	--	--

वैज्ञानिक, कृषि अधिकारी एवं नीति निर्धारक किसानों के हित में करें कार्य : प्रो. बलदेव राज काम्बोज

दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ, प्रदेश भर से कृषि अधिकारी करेंगे मंथन

हिसार, 13 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि अधिकारी कार्यशाला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित कार्यशाला में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के तौर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल आईएएस वर्चुअल माध्यम से जुड़े। कार्यशाला में कृषि अधिकारी, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भाग ले रहे हैं।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने अपने सम्बोधन में विश्वविद्यालय के द्वारा कृषि क्षेत्र में अर्जित की गई उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए, कहा कि कृषि विभाग के अधिकारियों एवं हकृवि वैज्ञानिकों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्मों के बीजों एवं शोध कार्यों को निरन्तर किसानों तक पहुंचाने के लिए आपसी तालमेल के साथ और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा ताकि किसान कम लागत में अधिक पैदावार प्राप्त कर सकें। उन्होंने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को प्रोत्साहित करने के लिए किसानों को जागरूक करने पर बल दिया ताकि सीमित मात्रा में रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों का उपयोग करके मृदा स्वास्थ्य को बरकरार रख कर जहर मुक्त खेती को आगे बढ़ाया जा सके।

कुलपति ने बताया कि अनुसंधान के क्षेत्र में विश्वविद्यालय निरंतर किसानों की जरूरतों के अनुरूप कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन, घटते जल स्तर, मृदा स्वास्थ्य में गिरावट तथा बढ़ती लागत जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा ऐसी उन्नत किस्में और तकनीक विकसित की जा रही है जो कम संसाधनों में अधिक उत्पादन दे सकें। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा अब तक विभिन्न फसलों की 309 किस्में विकसित की गई हैं। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने तथा जोखिम कम करने के लिए कृषि अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों को योजनाबद्ध ढंग से कार्य करने की हिदायत दी। विश्वविद्यालय विशेषतौर पर बदलती जलवायु के अनुकूल तथा कम पानी में अधिक पैदावार देने वाली किस्मों को किसानों तक पहुंचा रहा है। हाल ही में विश्वविद्यालय ने गेहूं की नई तापमान रोधी पछेती किस्म डब्ल्यू एच 1309 व दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली गेहूं की एक नई किस्म डब्ल्यू एच 1402 किस्म विकसित की है।

दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को किया जाए जागरूक: पंकज अग्रवाल

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रधान सचिव पंकज अग्रवाल ने कहा कि किसानों को परंपरागत फसलों के स्थान पर दलहनी एवं तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने के लिए जागरूक किया जाए ताकि किसान की आर्थिक स्थिति को बेहतर किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गठन के पश्चात हकृवि के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित की गई उन्नत किस्मों एवं कृषि विभाग द्वारा बनाई गई योजनाओं के कारण तथा किसानों की मेहनत से अन्न उत्पादन में सात गुणा बढ़ोतरी हुई है। उन्होंने कहा कि अधिकारी लक्ष्य निर्धारित करके तथा योजनाबद्ध ढंग से कार्य करेंगे तो खाद्यान्न उत्पादन एवं किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी। उन्होंने प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा रासायनिक उर्वरकों व कीटनाशकों का कम प्रयोग करने के लिए किसानों को प्रेरित करने की भी हिदायत दी।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. राजप्रताप सिहाग ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उद्यमिता हेतु प्रेरित करने के लिए विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कृषि विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। इस अवसर पर रबी फसलों की समग्र सिफारिश के नए संस्करण का भी विमोचन किया गया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ रमेश कुमार यादव ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय दिया और विस्तार से संबंधित विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने विश्वविद्यालय की अनुसंधान उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ रमेश गोयल ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। मंच का संचालन डॉ. सुनील ढांडा ने किया।